भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. 87#

मंगलवार, 27 जुलाई, 2021/05 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

नई पर्यटन अवसंरचना परियोजनाएं

87#. डा. अशोक बाजपेयी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान पर्यटन क्षेत्र में अवसंरचना विकास हेतु कितनी पर्यटन परियोजनाएं स्वीकृत और कार्यान्वित की गई हैं;

(ख) उत्तर प्रदेश की पर्यटन परियाजनाओं के लिए कितनी धनराशि स्वीकृत की गई है; और

(ग) चालू वर्ष के दौरान राज्य-वार कितनी नई पर्यटन परियोजनाओं को स्वीकृत किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

नई पर्यटन अवसंरचना परियोजनाएं के संबंध में दिनांक 27.07.2021 के **राज्य सभा** मौखिक प्रश्न सं. **87#** के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

(क) : पर्यटन मंत्रालय, 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) पर राष्ट्रीय मिशन' की अपनी योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है । इसके अलावा 'पर्यटन आधारभूत संरचना विकास योजना के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' के तहत पर्यटन असंरचना के विकास से संबंधित परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई है । पिछले तीन वर्षों 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान पर्यटन मंत्रालय ने देश में 'स्वदेश दर्शन योजना' के तहत 10 परियोजनाओं, 'प्रशाद योजना' के तहत 13 परियोजनाओं और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना' के तहत 13 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है ।

(ख) वर्ष 2018-19 से 2020-21 की अवधि के दौरान पर्यटन मंत्रालय ने 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत उत्तर प्रदेश में तीन निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है :

i. वर्ष 2018-19 में 12.03 करोड़ रु. से जेवर-दादरी-सिकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का विकास।
ii. वर्ष 2018-19 में 15.76 करोड़ रुपये से गोरखनाथ मंदिर, देवीपट्टन मंदिर और वटवासनी मंदिर का विकास।
iii. वर्ष 2018-19 में उत्तर प्रदेश और बिहार में 17.93 करोड़ रु. से मार्गस्थ सुविधाओं का विकास ।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2018-19 में 'प्रशाद योजना' के तहत 39.74 करोड़ रु. से 'गोवर्धन, मथुरा का विकास' की एक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है । वर्ष 2019-20 में 28.03 करोड़ रु. से राष्ट्रीय जलमार्ग नं. 1 और 2 पर नदी क्रूज के चढ़ने/उतरने के नौ (9) प्रमुख बिन्दुओं पर घाटों के विकास के लिए सीएफए की एक परियोजना भी स्वीकृत की है, जिसमें उत्तर प्रदेश में हस्तक्षेप शामिल हैं।

(ग): योजनाओं के तहत परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है और निधि की उपलब्धता उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी की गई निधि के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत की जाती हैं । वर्तमान वित्तीय वर्ष में पर्यटन मंत्रालय ने 'प्रशाद योजना' के तहत 54.36 करोड़ रु. से उत्तराखंड में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में 'तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं में वृद्धि' की एक परियोजना स्वीकृत की है ।

*****